पूर्व क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र (ई.आर.डी.टी.सी)

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा 1981 में स्थापित पूर्व क्षेत्रीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण केंद्र (ई.आर.डी.टी.सी.) ने अब तक दूध सहकारी संघों, एनडीपी - । के अंतर्गत गांव आधारित दूध अधिप्राप्ति तंत्र (वी.बी.एम.पी.एस.) तथा सरकारी विभागों के 20537 से अधिक कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है । ई.आर.डी.टी.सी. द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने पूर्वी क्षेत्र में डेरी विकास गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों को विकसित करने में योगदान दिया है।

प्रत्येक कार्यक्रम का पाठ्यक्रम ग्राहक संस्थाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है । ई.आर.डी.टी.सी. लगातार डेरी क्षेत्र में हो रहे विकास और प्रतिभागियों एवं ग्राहक संस्थाओं से प्राप्त फीडबैक को ध्यान में रखते हुए अपने प्रशिक्षण को अद्यतन करने के लिए प्रयासरत रही है| ई.आर.डी.टी.सी. के प्राध्यापकों द्वारा समय-समय पर ग्राहक संस्थाओं के क्षेत्र का दौरा और इम्पैक्ट स्टडी करके प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरूरतों का निर्धारण करते हुए उसके गुणवत्ता को बढ़ाने की कोशिश करते रहते हैं| ई.आर.डी.टी.सी. ने इस वर्ष के दौरान भी विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को आयोजित कर के अपने प्रयासों को जारी रखा है ।

पाठ्यक्रम

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिद्धांत, प्रयोग, क्षेत्र दौरे, समूह चर्चाएं, भूमिका अदा करना (रोल प्ले), खेल, श्रव्य- दृश्य शो इत्यादि का मिला-जुला रूप शामिल है । ई.आर.डी.टी.सी. नियमित कार्यक्रमों के अतिरिक्त विभिन्न संगठनों की विशेष प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कस्टमाइज्ड कार्यक्रमों का आयोजन भी करती है ।

सुविधाएं

ई.आर.डी.टी.सी. एक ऐसा वातावरण उपलब्ध करती है जो सीखने के लिए अनुकूल है । यहां प्रतिभागी अच्छे अनुभवी शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित होने के विशेषाधिकार का लाभ प्राप्त करते हैं । यह केंद्र आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्रियों तथा प्रदर्शन यूनिट के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है । भोजन एवं आवास की सुविधा परिसर के भीतर ही उपलब्ध है । ई.आर.डी.टी.सी. में मनोरंजन तथा खेलों के लिए अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

स्थान

पूर्व क्षेत्रीय प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण केंद्र (ईआरडीटीसी), पश्चिम बंगाल में स्थित है तथा रेल और सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है । यह सिलीगुड़ी शहर से लगभग 10 कि.मी., न्यू जलपाईगुडी रेलवे स्टेशन से 16 कि.मी. तथा बागडोगरा हवाई अड्डे से 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है ।

कार्यक्रम

कार्यक्रम शीर्षक	कृत्रिम गर्भाधान (एआई)	कृत्रिम गर्भाधान पर पुनश्चर्या कार्यक्रम
कार्यक्रम का उद्देश्य	निम्नलिखित में प्रतिभागियों को सक्षम बनाना: • गुणवत्ता एआई निष्पादित करने के लिए एआई तकनीक सीखना ताकि गाय तथा भैंसों की आनुवंशिक क्षमता में सुधार किया जा सके	निम्नलिखित में प्रतिभागियों को सक्षम बनाना: • फील्ड में आने वाली समस्याओं को पहचानना और उसका समाधान करना । • प्रजनन के क्षेत्र में अद्यतन तकनीकी जानकारी प्राप्त करना • प्रजनन संबंधी विकारों का निदान कर पशुओं की प्रजनन क्षमता को बढ़ाना
अवधि	45*दिन	5 दिन
लक्ष्य प्रतिभागी	दसवीं पास ग्रामीण युवा	कार्यरत आई तकनीशियन
कार्यक्रम शुल्क	रू. 12174.06 प्रति प्रतिभागी	रू. 1503.66 प्रति प्रतिभागी
पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	• कृत्रिम गर्भाधान (एआई) का इतिहास • प्रजनन अंगों का शरीर क्रिया विज्ञान • ईस्ट्रस साइकल एवं गर्मी के लक्षण • एआई की तकनीक एवं समय • प्रसव (पार्टुरिशन) • आदर्श प्रजनन चक्र (आइडियल कॉविंग साइकिल) • वीर्यों के प्रकार • एलएन$_2$ कंटेनर एव उनका हैंडलिंग • बछड़े, गाभिन, शुष्क एवं दुधारू पशु की देखभाल एवं प्रबंधन • बछड़े के सीगों को जलाना (डिस्बडिंग) • संतुलित आहार एवं चारा • चारा उत्पादन एवं उसका संरक्षण • यूरिया स्ट्रा उपचार • आम संक्रामक रोग तथा इनकी रोकथाम एवं नियंत्रण	• मूल्यांकन सत्र • भारत में पशुधन सुधार में एआई की भूमिका • ईस्ट्रस के विशेष लक्षणों को समझना • ईस्ट्रस साइकल तथा इसका एंड्रोक्रोनोलॉजिकल रेगुलेशन • गलत (एरोनीअस) गर्भाधान पर विचार-विमर्श • एआई करने के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियां तथा हिमित वीर्य स्ट्रा का पिघलना • एआई असफलता के आम कारणों पर विचार-विमर्श • गर्भाधान की उचित तकनीक एवं एआई में अपूतिता (एसेप्सिस) का महत्व • तरल नाईट्रोजन कंटेनर के रख-रखाव तथा फील्ड स्तर पर हिमित वीर्य के परिवहन में होने वाली सामान्य गलतियां

*एआई कार्यक्रम - कुल अवधि 120 दिन, प्रायोजक संगठन में 75 दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्य सहित

कार्यक्रम शीर्षक	**डेरी पशु प्रबंधन**	**डीसीएस सचिव**
कार्यक्रम का उद्देश्य	निम्नलिखित के लिए प्रतिभागियों को सक्षम बनाना • आधुनिक डेरी पशु प्रबंध पद्धति में ज्ञान प्रदान करना ।	निम्नलिखित के लिए प्रतिभागियों को सक्षम बनाना • डीसीएस के संचालन हेतु अपेक्षित ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना तथा विभिन्न रिकार्डों तथा रजिस्टरों इत्यादि का प्रबंधन
अवधि	5 दिन	21 दिन
लक्ष्य प्रतिभागी	दूध उत्पादक /किसान/बेरोजगार युवा/एसएचजी सदस्य	डेरी सहकारिता समिति के सचिव
कार्यक्रम शुल्क	रु. 1503.66 प्रत्येक प्रतिभागी	रु. 5771.82 प्रत्येक प्रतिभागी
पाठयक्रम विषय-वस्तु का संक्षिप्त विवरण	• गाय एवं भैंसों की नस्लें • डेरी पशुओं के लिए आवास • विभिन्न श्रेणी के पशुओं के लिए आहार • डेरी पशुओं की सामान्य बीमारियां • टीकाकरण एवं डी-वार्मिंग(कृमिनाश) • दुहन की तकनीक • थनैला की रोकथाम • गर्मी में आने की पहचान एवं एआई का समय • आहार एवं चारे के उपयोगिता को सुधारने हेतु विभिन्न तकनीकों का संक्षिप्त विवरण • पशु बीमा	• भारत में सहकारी आंदोलन, एनडीडीबी ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम एवं एनडीपी पर जानकारी • सहकारी सिद्धांत एवं मूल्य • डेरी सेक्टर में सामाजिक एवं पर्यावरण गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण • डीसीएस में महिलाओं की सहभागिता • सहकारिता अधिनियम, नियम एवं उप-नियमों की रूपरेखा; डीसीएस उप-नियमों की मुख्य विशेषताएं • डीसीएस में रखे जाने वाले रिकार्ड एवं रजिस्टर • दूध और इसके भौतिक-रासायनिक घटक, दूध के संघटन में अंतर के लिए उत्तरदायी कारक • लैक्टोमीटर रीडिंग, दूध में फैट की जांच करने, एसएनएफ एवं कुल ठोस की गणना करने की प्रक्रिया • डीसीएस में आय का स्रोत, इसकी सक्षमता के कारक, मंहगी और सस्ती खरीदी • यूरिया भूसा उपचार • डीसीएस में संस्थागत भवन • अध्यक्ष, एमसीएम एवं कर्मचारियों के कार्य एवं उत्तरदायित्व • एमसीएम, एजीएम, विशेष एजीएम का आयोजन करना

		तथा बैठक की कार्यसूची, कार्यवृत्त तथा कार्यवाहियों का लेखन • डीसीएस लेखा - इसका उद्देश्य, कैश बुक लेखन एवं खाता बही की पोस्टिंग, ट्रायल बैंलेश तैयार करना, व्यापार एवं लाभ/ हानि लेखा, तुलन- पत्र • बजट की तैयारी • अंकेक्षण तथा इसका वर्गीकरण एवं अनुपालन • पशु बीमा

कार्यक्रम शीर्षक	**दूध संघों के पर्यवेक्षकों के लिए दूध अधिप्राप्ति एवं तकनीकी इनपुट**
कार्यक्रम का उद्देश्य	निम्नलिखित के लिए प्रतिभागियों को सक्षम बनाना • दक्ष एवं प्रभावी अधिप्राप्ति तथा विस्तार सहायक (एक्सटेशन फैसेलिटेटर) के रूप में कार्य करना • दूध अधिप्राप्ति, संस्थागत विकास से संबंधित अपेक्षित मुख्य लक्ष्यों को प्राप्त करना । • भागीदारी में मदद करना अपने क्षेत्र में सहकारी दूध व्यवसाय के विकास में उच्च स्तरीय व्यवसायिक प्रतिबद्ता, पहल प्रदर्शित करना ।
अवधि	26 दिन
लक्ष्य प्रतिभागी	अधिप्राप्ति एवं विस्तार पर्यवेक्षक
कार्यक्रम शुल्क	रु. 11042.04 प्रत्येक प्रतिभागी
पाठ्यक्रम विषय वस्तु का संक्षिप्त विवरण	• भारत में डेरी • सहकारिता अधिनियम, नियम एवं उपनियम • सहकारिता सिद्धांत एवं मूल्य • दूध के घटक तथा इसका परीक्षण एवं मूल्य निर्धारण • डीसीएस की स्थापना एवं उसके कार्य • डीसीएस लेखा • संचार • सहभागिता कौशल • तकनीकी इनपुट सेवाएं • डीसीएस में महिलाओं की सहभागिता

सामान्य सूचनाएं

- कार्यक्रम में एक बैच में न्यूनतम् 25 तथा अधिकतम् 30 प्रतिभागी शामिल होते हैं ।
- 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर स्लॉट आवंटित किए जाते हैं ।
- निर्धारित प्रशिक्षण शुल्क में शिक्षण शुल्क, पाठय सामग्री, भोजन एवं आवास, फील्ड दौरे के लिए यातायात तथा सरकार की लागू दरों पर सेवा कर शामिल हैं ।
- कार्यक्रम का शुल्क संशोधन के अधीन है तथा इसके संशोधन की तिथि से संशोधित दरें लागू होंगी ।
- प्रशिक्षण शुल्क हेतु डिमांड ड्राफ्ट या सममूल्य चैक "राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड", सिलीगुड़ी के नाम देय होना चाहिए तथा इसे कार्यक्रम के शुरू होने से पहले पहुंच जाना चाहिए ।
- उम्मीदवारों को अपने साथ अपना पासपोर्ट साइज का एक फोटो लाना होगा ।
- नामांकन कार्यक्रम के शुरू होने से कम से कम एक महीने पहले भेजा जाना चाहिए ।
- यदि पर्याप्त संख्या में उम्मीदवार उपलब्ध न हों तो किसी भी कार्यक्रम स्लॉट को रद्द/स्थगित किया जा सकता है ।
- नामांकन रद्द करने की सूचना उपर्युक्त कार्यक्रम के शुरू होने की तिथि से कम से कम 15 दिन पहले भेजी जानी चाहिए ।
- किसी उम्मीदवार को फैमिली आवास उपलब्ध नहीं किया जाएगा ।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

प्राचार्य
पूर्व क्षेत्रीय प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण केंद्र
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड
पोस्ट ऑफिस - माटीगारा – 734010, सिलिगुड़ी
जिला: दार्जिलिंग, (पश्चिम बंगाल)
दूरभाष: (0353) 2571565 (मो.) 9933375107
फैक्स: 0353 - 2571590 E-mail: siliguri@nddb.coop